K–85

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

BAHL-202

B.A. IInd Year Examination Dec., 2023

पद्य साहित्य-2 एवं लोक साहित्य

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिक हिन्दी पद्य का वर्गीकरण करते हुए, मध्यकालीन पद्य एवं आधुनिक पद्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. सातवें दशक की कविता में श्रीकांत वर्मा के स्थान को निर्धारित करते हुए, श्रीकांत वर्मा की कविताओं का महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. केदारनाथ सिंह का जीवन परिचय देते हुए, उनके काव्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. गढ़वाली लोकगीतों के विकास एवं उसकी प्रवृत्तियों पर विस्तृत निबंध लिखिए।

5. कुमाउनी लोक साहित्य की प्रकीर्ण विधाओं का परिचय देते हुए, प्रकीर्ण विधाओं की विशेषताओं एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. असाध्य वीणा की मूल संवेदना पर टिप्पणी लिखिए।

2. मुक्तिबोध की काव्य वैचारिकता एवं भाव संवेदना पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

3. शमशेर बहादुर सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

4. "श्रीकांत वर्मा नई काव्यभाषा की तलाश में रहते हैं" कथन के आलोक में श्रीकांत वर्मा की काव्यभाषा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

5. कुमाउनी लोक साहित्य के इतिहास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

6. कुमाउनी लोकगाथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

7. लोकगीत से आप क्या समझते हैं ? गढ़वाली लोकगीतों का परिचय देते हुए उनका वर्गीकरण कीजिए।

8. गढ़वाली लोक साहित्य के वर्तमान स्वरूप पर टिप्पणी कीजिए।

****